*टिप्पणी*

# 17

# वित्तीय विवरण - I

आप वित्तीय विवरणों का अर्थ एवं व्यावसायिक संगठनों के लिए इनको तैयार करने की आवश्यकता का अध्ययन कर चुके हैं। आप इन विवरणों के प्रारूप एवं इनमें लिखी जाने वाली महत्त्वपूर्ण मदों के सम्बन्ध में जान चुके हैं। अब आप इन विवरणों को तैयार करना सीखना चाहेंगे। आप जानते हैं कि इन विवरणों को तैयार करने के लिए तलपट सूची को आधार माना जाता है। प्रत्येक व्यावसायिक संगठन वित्तीय विवरण अर्थात व्यापार एवं लाभ हानि खाता तथा स्थिति विवरण तैयार करता है।

इस पाठ में आप इन विवरणों को तैयार करना सीखेंगे।

## उद्देश्य

***इस पाठ के पढ़ने के पश्चात आप :***

- व्यापार खाता एवं लाभ हानि खाता बना सकेंगे;
- प्रारूप के अनुसार स्थिति विवरण को समझ सकेंगे;
- स्थिति विवरण के क्रमबद्धीकरण को समझ सकेंगे;
- परिसम्पत्तियों एवं देयताओं का वर्गीकरण कर सकेंगे; एवं
- स्थिति विवरण तैयार कर सकेंगे।

## 17.1 व्यापार खाता एवं लाभ हानि खाता तैयार करना

आप व्यापार खाता एवं लाभ-हानि खाते का अर्थ एवं इनके प्रारूप के सम्बन्ध में जान चुके हैं। आप यह भी सीख चुके हैं कि प्रासंगिक खाता बही की शेष मदों को व्यापार खाता एवं लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरण के लिए रोजनामचा में प्रविष्टि कैसे करेंगे। अब आप इन विवरणों को तैयार करने के लिये उठाए जाने वाले विभिन्न कदमों का अध्ययन करेंगे।

टिप्पणी

## व्यापार खाता बनाते समय उठाये जाने वाले कदम

### *(क) नाम पक्ष*

(i) सर्वप्रथम हम प्रारम्भिक स्टाक की राशि लिखेंगे (यदि फर्म नई है तो कोई प्रारम्भिक स्टॉक नहीं होगा)

(ii) अब हम क्रय राशि को लिखेंगे। इसमें से क्रय वापसी अथवा बाह्य वापसी को घटा देंगे। क्रय नकद, उधार अथवा दोनों हो सकते हैं।

(iii) इसके पश्चात् हम प्रत्यक्ष व्यय जैसे कि आंतरिक भाड़ा, मजदूरी, बिजली आदि को लिखेंगे।

### *(ख) जमा पक्ष*

(i) पहले हम विक्रय राशि को लिखेंगे जिसमें से विक्रय वापसी अथवा आंतरिक वापसी को घटा देंगे। इससे विक्रय की शुद्ध राशि ज्ञात हो जायेगी विक्रय भी नकद, उधार अथवा दोनों हो सकता है।

(ii) अन्तिम स्टाक अगली मद होगी।

### *(ग) सकल लाभ/सकल हानि का निर्धारण*

अंत में व्यापार खाते के दोनों ओर के अन्तर की गणना करके इस खाते को बंद किया जाता है। यदि जमा पक्ष नाम पक्ष से अधिक है तो अन्तर को सकल लाभ के रूप में व्यापार खाते के नाम में लिखा जायेगा और यदि नाम पक्ष जमा पक्ष से अधिक है तो अन्तर की राशि को सकल हानि कहेंगे तथा यह व्यापार खाते के जमा पक्ष में लिखी जायेगी।

नाम स्तम्भ का योग < जमा स्तम्भ का योग

⇒ सकल लाभ

जमा स्तम्भ का योग < नाम स्तम्भ का योग

⇒ सकल हानि

## लाभ हानि खाता बनाते समय उठाये जाने वाले कदम

### *(क) नाम पक्ष*

(i) सकल हानि को, यदि कोई है तो व्यापार खाते से हस्तान्तरण कर पहली मद के रूप में लिखा जायेगा।

(ii) इसके पश्चात आगम व्यय एवं हानियों की सभी मदें लिखी जाती हैं। यह मदें वेतन, किराया दिया, अवक्षयण आदि हो सकती है।

टिप्पणी

### (ख) जमा पक्ष

(i) सकल लाभ, व्यापार खाते से हस्तान्तरित पहली मद होगी।

(ii) इसके पश्चात् आगम आय और अधिलाभ की मदें लिखी जाएगी। यह निवेश पर ब्याज, प्राप्त बट्टा, प्राप्त कमीशन आदि हो सकती हैं।

### (ग) शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि का निर्धारण

अगला कदम शेष निकालना होगा। यदि जमा पक्ष नाम पक्ष से अधिक है तो अन्तर की राशि को शुद्ध लाभ के रूप में लिखा जायेगा। यदि नाम पक्ष जमा पक्ष से अधिक है तो अन्तर शुद्ध हानि होगी।

यह राशि पूँजी खाते में हस्तान्तरित कर दी जायेगी।

नाम पक्ष का योग < जमा पक्ष का योग

⇒ शुद्ध लाभ

जमा पक्ष का योग < नाम पक्ष का योग

⇒ शुद्ध हानि

**उदाहरण 1**

मै. नन्दलाल एण्ड ब्रदर्स के सम्बन्ध में वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2014 की निम्न सूचना से वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2014 के लिए व्यापार खाता एवं लाभ हानि खाता बनाइए।

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| स्टाक (1.4.2013) | 5,800 | विक्रय | 72,000 |
| क्रय-नकद | 42,000 | आंतरिक वापसी | 2,000 |
| क्रय-उधार | 18,000 | निवेश पर ब्याज | 1,500 |
| आंतरिक भाड़ा | 1,800 | प्राप्त बट्टा | 1,200 |
| मजदूरी | 4,500 | अन्तिम स्टॉक | 7,200 |
| बिक्री पर भाड़ा | 800 | | |
| टेलीफोन व्यय | 1,600 | | |
| बिजली व्यय | 1,200 | | |
| कार्यालय किराये का भुगतान | 6,000 | | |
| वेतन | 8,000 | | |
| अवक्षयण | 1,400 | | |

टिप्पणी

**हल :**

**मै. नन्दलाल एण्ड ब्रदर्स की पुस्तकें**

**व्यापार खाता**

***31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए***

नाम जमा

| *विवरण* | | *राशि (₹)* | *विवरण* | | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|---|
| स्टॉक (1.4.2013) | | 5,800 | विक्रय | 72,000 | |
| क्रय : | | | ***घटा :*** आंतरिक वापसी | 2,000 | 70,000 |
| नकद | 42,000 | | अन्तिम स्टॉक (31.3.2014) | | 7,200 |
| उधार | 18,000 | 60,000 | | | |
| भाड़ा आंतरिक | | 1,800 | | | |
| मजदूरी | | 4,500 | | | |
| सकल लाभ (लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित) | | 5,100 | | | |
| | | 77,200 | | | 77,200 |

**लाभ हानि खाता**

***31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए***

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| बिक्री पर भाड़ा | 800 | **सकल लाभ-व्यापार खाता** | |
| टेलीफोन व्यय | 1,600 | खाता से हस्तान्तरण | 5,100 |
| बिजली व्यय | 1,200 | निवेश पर ब्याज | 1,500 |
| कार्यालय किराया | 6,000 | छूट प्राप्त हुआ | 1,200 |
| वेतन | 8,000 | शुद्ध हानि-पूँजी खाता | |
| अवक्षयण | 1,400 | में हस्तान्तरित | 11,200 |
| | 19,000 | | 19,000 |

**उदाहरण 2**

वर्ष समाप्ति 31, मार्च 2014 के लिए निम्न शेष राशियों से रमन ईरानी के लिए व्यापार खाता एवं लाभ हानि खाता बनाइए :

टिप्पणी

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| प्रारम्भिक स्टॉक (1.4.2013) | 14,600 | व्यापार व्यय | 1,450 |
| क्रय | 68,700 | बट्टा दिया | 1,250 |
| विक्रय | 85,300 | बट्टा प्राप्त | 800 |
| वापसी (बाह्य) | 2,200 | प्राप्त विपत्र | 4,500 |
| भाड़ा आन्तरिक | 2,100 | देनदार | 16,800 |
| पूँजी | 50,000 | अन्तिम स्टॉक (31.3.2014) | 28,700 |
| आहरण | 12,000 | | |
| बीमा | 1,600 | | |
| विज्ञापन | 2,400 | | |
| विक्रयकर्ताओं का वेतन | 5,200 | | |

**हल**

**रमन इरानी की पुस्तकें**

**व्यापार खाता**

***31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए***

नाम जमा

| *विवरण* | | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| प्रारम्भिक स्टॉक | | 14,600 | विक्रय | 85,300 |
| क्रय | 68,700 | | अन्तिम स्टॉक | 28,700 |
| घटा : वापसी बाह्य | 2,200 | 66,500 | | |
| भाड़ा आंतरिक | | 2,100 | | |
| सकल लाभ–लाभ हानि खाते में हस्तन्तिरित | | 30,800 | | |
| | | 1,14,000 | | 1,14,000 |

**लाभ-हानि खाता**

***31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए***

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| बीमा | 1,600 | सकल लाभ-व्यापार खाता | |
| विज्ञापन | 2,400 | ~~से हस्तान्तरित~~ | 30,800 |

टिप्पणी

| | | | |
|---|---|---|---|
| विक्रयकर्त्ताओं का वेतन | 5,200 | प्राप्त बट्टा | 800 |
| व्यापार व्यय | 1,450 | | |
| बट्टा दिया | 1,250 | | |
| शुद्ध लाभ-पूँजी खाता में हस्तान्तरित | 19,700 | | |
| | 31,600 | | 31,600 |

## पाठगत प्रश्न 17.1

*नीचे दी गई मदों के आगे खाते का नाम (व्यापार खाता, लाभ हानि खाता) तथा पक्ष (नाम, जमा) लिखें जिनमें इनको लिखना है:*

i. अन्तिम स्टॉक ..... .....

ii. भाड़ा बाह्य ..... .....

iii. निवेश पर ब्याज ..... .....

iv. सीमा शुल्क ..... .....

v. ईंधन एवं बिजली ..... .....

vi. बिक्री ..... .....

vii. वेतन ..... .....

viii. किरायेदार से किराया ..... .....

## 17.2 स्थिति विवरण

व्यापार खाता एवं लाभ हानि खाता के अतिरिक्त स्थिति विवरण एक अन्य वित्तीय विवरण है जिसे प्रत्येक व्यवसायी बनाता है। स्थिति विवरण वह विवरण है जो एक व्यावसायिक संगठन की एक निश्चित तिथि को वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। यह तिथि साधारणतया लेखा अवधि की अन्तिम तिथि होती है। किसी व्यावसायिक इकाई की वित्तीय स्थिति व्यवसाय के संसाधनों के विरूद्ध उसके दावों की राशि है। यह संसाधन है रोकड़, माल का, फर्नीचर, मशीनें आदि। दावों में स्वामी तथा बाहरी व्यक्ति जैसे कि लेनदार, बैंकर आदि के दावे है। अतः हम कह सकते हैं कि स्थिति विवरण एक ऐसा विवरण है जो किसी एक तिथि को व्यवसाय के स्वामित्व की परिसम्पत्तियों एवं उसके द्वारा देय देनदारियों को दर्शाता है। इसके दो पक्ष होते हैं:

(i) परिसम्पत्तियां पक्ष एवं

(ii) देयतायें पक्ष

टिप्पणी

परिसम्पत्ति पक्ष की ओर स्थाई एवं चालू सम्पत्तियों की सूची होती है। देयता पक्ष की ओर पूँजी, दीर्घ अवधि एवं लधु अवधि की देयताओं की सूची होती है।

### आवश्यकता

1. स्थिति विवरण किसी व्यावसायिक इकाई की एक विशेष समय बिन्दु पर उसकी सत्य वित्तीय स्थिति को मापने के लिए बनाया जाता है।
2. व्यावसायिक इकाई के स्वामित्व में क्या है तथा इसकी क्या देनदारी है का यह व्यवस्थित रूप प्रस्तुत करता है।
3. स्थिति विवरण व्यवसाय की एक नजर में वित्तीय स्थिति को दिखाता है।
4. लेनदार, वित्त प्रदाता विशेष रूप से एक व्यावसयिक इकाई के स्थिति विवरण मं रूचि रखते हैं जिससे कि वह निर्णय ले सकें कि उन्हें इस संगठन से लेन देन करना चाहिए अथवा नहीं।

### सम्पत्ति एवं देयताओं का वर्गीकरण

*सभी सम्पत्तियों को निम्न श्रेणियों में वगीकृत किया जा सकता है :*

1. चालू सम्पत्तियां
2. तरल सम्पत्तियां
3. गैर–तरल सम्पत्तियां
4. मूर्त सम्पत्तियां
5. अमूर्त सम्पत्तियां

*सभी देयताओं को निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है :*

1. चालू सम्पत्तियां
2. गैर चालू सम्पत्तियां

### परिसंपत्तियों और दायित्वों का क्रमबद्धीकरण (Marshalling of assets and liabilities)

जैसा कि ऊपर बताया जा चुका है स्थिति विवरण के दो पक्ष होते हैं परिसम्पत्तियां पक्ष जिसमें व्यवसाय की परिसम्पत्तियों की विभिन्न मदें दी होती है एवं देयता पक्ष जिसमें स्वामी एवं बाहर के पक्षों की देनदारी अथवा दावे दिये होते हैं।

परिसम्पत्तियाँ व्यवसाय के वित्तीय संसाधन होते हैं तथा इन्हें मोटे तौर पर चालू परिसम्पत्तियों एवं स्थाई परिसम्पत्तियों में बांटा जा सकता है। देयता व्यवसाय की परिसम्पत्तियों के विरूद्ध दावे होते हैं। देयताएँ दो प्रकार की होती हैं स्वामी की देनदारी अथवा पूँजी एवं बाहर के लोगों की देनदारी जैसे कि लेनदार, देय विपत्र बैंक ऋण आदि।

टिप्पणी

एकल स्वामित्व व्यवसाय अथवा साझेदारी फर्म के लिए स्थिति विवरण का कोई प्रारूप निश्चित नहीं है जिसमें इसको तैयार किया जाय। वैसे साधारणतया परिसम्पत्तियों एवं देनदारियों को एक विशेष क्रम में लिखा जाता है। इससे एकरूपता बनी रहती है। जिससे निर्णय लेने के लिए तुलनात्मक विश्लेषण सुगम हो जाता है। स्थिति विवरण को नीचे दिये किसी भी क्रम में बनाया जा सकता है :

(क) तरलता क्रम (ख) स्थिरता क्रम

## (क) तरलता क्रम (Liquidity Order)

तरलता का अर्थ है परिसम्पत्तियों को रोकड़ में परिवर्तित करना। सभी परिसम्पत्तियां एक समान सरलता एवं सुविधा पूर्वक रोकड़ में परिवर्तित नहीं की जा सकती। परिसम्पतियों को उनकी तरलता के आधार पर रखा जाता है। सर्वाधिक तरल परिसम्पत्तियों को प्रथम स्थान पर लिखा जाता है। उसके पश्चात् उससे कम तरल और यह क्रम चलता रहता है। इसी प्रकार से देयताओं को भी इसी क्रम में लिखा जाता है। लघु अवधि देनदारियों को पहले लिखा जाता है उसके पश्चात् दीर्घ अवधि देनदारियां और अन्त में पूँजी को लिखा जाता है।

तरलता क्रम में तैयार स्थिति विवरण का एक नमूना नीचे दिया गया है

**मै. ..... का स्थिति विवरण**

***..... को समाप्त वर्ष के लिए***

| *दायित्व* | | *राशि (₹)* | *परिसम्पत्तियां* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| बैंक अधिविकर्ष | | xxxx | हस्तस्थ रोकड़ | xxxx |
| अदत्त व्यय | | xxxx | बैंक में रोकड़ | xxxx |
| देय विपत्र | | xxxx | पूर्वदत्त व्यय | xxxx |
| विविध लेनदार | | xxxx | निवेश (लघु अवधि) | xxxx |
| ऋण | | xxxx | प्राप्त विपत्र | xxxx |
| पूँजी | xxxx | | विविध देनदार | xxxx |
| *जमा :* शुद्ध लाभ | xxxx | | अन्तिम स्टॉक | xxxx |
| *घटा :* आहरण | xxxx | xxxx | निवेश | xxxx |
| | | | फर्नीचर | xxxx |
| | | | सयन्त्र एवं मशीन | xxxx |
| | | | भूमि एवं भवन | xxxx |
| | | | ख्याति | xxxx |
| | | xxxx | | xxxx |

(लघु अवधीय निवेश विपणन योग्य प्रतिभूति होती हैं, यह चालू परिसम्पत्तियों का भाग होती हैं।

टिप्पणी

## (ख) स्थिरता क्रम (Permanency Order)

स्थिरता क्रम का पालन करने पर वह परिसम्पत्तियां जिन का स्थाई रूप से उपयोग किया जाना है अर्थात जिनका लम्बी अवधि तक उपयोग किया जाना है तथा वह पुनः बिक्री के लिए नहीं है, इनको पहले लिखा जाता है। उदाहरण के लिए भूमि एवं भवन, संयन्त्र एवं मशीनरी, फर्नीचर आदि को पहले लिखा जायेगा। जो परिसम्पत्ति सर्वाधिक तरल है जैसे कि हस्तस्थ रोकड़ उसे सब से अन्त में लिखा जाएगा। इसी प्रकार से देयताओं का क्रम बदल दिया जाता है। पूँजी को पहले उसके पश्चात दीर्घ अवधि दायित्व और अन्त में लघु अवधि दायित्व एवं प्रावधान को लिखा जाता है

स्थिरता क्रम में बनाई जाने वाली स्थिति विवरण का नमूना नीचे दिया गया है:

**मै. ..... का स्थिति विवरण**
**..... को समाप्त वर्ष के लिए**

| *देयताएँ* | | *राशि (₹)* | *परिसम्पत्तियां* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| पूँजी | xxxx | | ख्याति | xxxx |
| *जमा :* शुद्ध लाभ | xxxx | | भूमि एवं भवन | xxxx |
| *घटा :* आहरण | xxxx | xxxx | संयन्त्र एवं मशीनरी | xxxx |
| ऋण | | xxxx | फर्नीचर | xxxx |
| विविध देनदार | | xxxx | निवेश | xxxx |
| देय विपत्र | | xxxx | अन्तिम स्टॉक | xxxx |
| अदत्त व्यय | | xxxx | विविध देनदार | xxxx |
| बैंक अधिविकर्ष | | xxxx | प्राप्य विपत्र | xxxx |
| | | | निवेश (लघु अवधि) | xxxx |
| | | | पूर्वदत्त व्यय | xxxx |
| | | | बैंक शेष | xxxx |
| | | | हस्तस्थ रोकड़ | xxxx |
| | | xxxx | | xxxx |

(संयुक्त पूँजी कम्पनियों का स्थिति विवरण कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुसूचि VI के अनुसार तैयार किया जाता है)

### उदाहरण 3

नीचे दिये शेषों की सहायता से मै. भरत एण्ड ब्रदर्स का 31 दिसम्बर, 2014 को स्थिति विवरण तैयार कीजिए : (क) तरलता क्रम के अनुसार एवं (ख) स्थिरता क्रम के अनुसार

टिप्पणी

| विवरण | राशि (₹) | विवरण | राशि (₹) |
|---|---|---|---|
| पूँजी | 50,000 | विविध देनदार | 24,000 |
| बैंक से ऋण | 20,000 | देय विपत्र | 8,000 |
| हस्तस्थ रोकड़ | 2,500 | आहरण | 6,000 |
| बैंक में रोकड़ | 12,800 | भवन | 25,000 |
| अन्तिम स्टॉक | 24,700 | फर्नीचर | 4,500 |
| विविध लेनदार | 15,000 | निवेश | 15,000 |
| | | शुद्ध लाभ | 21,500 |

**हल :**

*(क) तरलता क्रम*

**मै. भारत एण्ड ब्रदर्स का स्थिति विवरण**
***31, दिसम्बर, 2014 को***

| दायित्व | | राशि (₹) | परिसम्पत्तियां | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|
| देयविपत्र | | 8,000 | रोकड़ हस्तस्थ | 2,500 |
| विविध लेनदार | | 15,000 | बैंक में रोकड़ | 12,800 |
| बैंक से ऋण | | 20,000 | विविध देनदार | 24,000 |
| पूँजी | 50,000 | | अन्तिम स्टॉक | 24,700 |
| *जमा :* शुद्धलाभ | 21,500 | | निवेश | 15,000 |
| | 71,500 | | भवन | 25,000 |
| *घटा :* आहरण | 6,000 | 65,500 | फर्नीचर | 4,500 |
| | | 1,08,500 | | 1,08,500 |

*(ख) स्थिरता क्रम*

**मै. भरत एण्ड ब्रदर्स का स्थिति विवरण**
***31 दिसम्बर, 2014 को***

| देयताएँ | | राशि (₹) | परिसम्पत्तियां | राशि (₹) |
|---|---|---|---|---|
| पूँजी | 50,000 | | भवन | 25,000 |
| *जमा :* शुद्ध लाभ | 21,500 | | फर्नीचर | 4,500 |
| *घटा :* आहरण | 6,000 | 65,500 | निवेश | 15,000 |
| बैंक से ऋण | | 20,000 | अंतिम स्टॉक | 15,000 |
| विविध लेनदार | | 15,000 | विविध देनदार | 24,000 |
| देय विपत्र | | 8,000 | बैंक में रोकड़ | 12,800 |
| | | | हस्तस्थ रोकड़ | 2,500 |
| | | 1,08,500 | | 1,08,500 |

टिप्पणी

## पाठगत प्रश्न 17.2

*I. निम्न परिसम्पत्तियों को (क) तरलता क्रम एवं (ख) स्थिरता क्रम में लिखें*

i. अन्तिम स्टॉक ii. फर्नीचर iii. हस्तस्थ रोकड़ iv. निवेश
v. प्राप्य विपत्र vi. ख्याति vii. भवन viii. देनदार

*II. देयता की निम्नलिखित मदों को (क) तरलता क्रम (ख) स्थिरता क्रम में लिखिए*

i. देय विपत्र ii. विविध लेनदार iii. बंधक ऋण
iv. अदत्त व्यय v. पूँजी

## 17.3 परिसम्पत्तियों एवं देयताओं का वर्गीकरण

परिसम्पत्तियाँ एवं देयताएं कई प्रकार की होती हैं। इनको इस प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है।

### परिसम्पत्तियां

परिसम्पत्तियों को निम्न प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है :

(क) **स्थाई सम्पत्तियाँ (Fixed Assets) :** यह सम्पत्तियां स्थाई अर्थात लम्बी अवधि के प्रयोग के लिए खरीदी जाती हैं तथा यह व्यवसाय को धन कमाने में सहायता करती हैं। इस प्रकार की परिसम्पत्तियों के उदाहरण हैं भवन, मशीनरी मोटर वाहन आदि। यह परिसम्पत्तियां व्यवसाय की सामान्य प्रक्रिया में बिक्री के लिए नहीं होती हैं लेकिन यदि इनके प्रयोग की आवश्यकता नहीं है तो इन्हें बेचा जा सकता है।

(ख) **चालू सम्पत्तियाँ (Current Assets) :** यह वह परिसम्पत्तियां है जिन्हें व्यवसाय द्वारा बिक्री के उद्देश्य अथवा उन्हें रोकड़ में परिवर्त्तन के लिए प्राप्त किया जाता है। इनसे वसूली सामान्यतः एक वर्ष के अन्दर हो जाती है। इस प्रकार की सम्पत्तियों के उदाहरण हैं हस्तस्थ रोकड़, बैंक रोकड़, प्राप्य विपत्र, देनदार, स्टॉक आदि।

(ग) **मूर्त्त सम्पत्तियाँ (Tangible Assets) :** यह वह सम्पत्तियां हैं, जिन्हें देखा जा सके छूआ जा सके तथा जिनका कुछ आकार हो। भवन, मशीन, माल आदि इसके उदाहरण हैं।

(घ) **अमूर्त्त संपत्तियाँ (Intangible Assets) :** यह वह संपत्तियां है जिनको न देखा जा सके न छूआ जा सके तथा जिनका कोई आकार न हो। इनके उदाहरण हैं पेटेन्ट, व्यापारिक चिन्ह, ख्याति इत्यादि।

(ङ) **तरल संपत्तियाँ (Liquid Assets) :** यह वह सम्पत्तियां है जो या तो रोकड़ हैं अथवा जिन्हें शीघ्रता से रोकड़ में परिवर्तित किया जा सके। उदाहरण के लिए रोकड़, स्टॉक, बेचने योग्य प्रतिभूतियाँ इत्यादि।

टिप्पणी

(च) **क्षयी संपत्तियां (Wasting Assets) :** यह वह सम्पत्तियां है जिनका मूल्य प्रयोग के फलस्वरूप कम होता रहता है। खान, खदान (Quarries) इस वर्ग में आती हैं।

(छ) **अवास्तविक सम्पत्तियां (Fictitious Assets) :** यह वास्तविक सम्पत्तियां नहीं है। यह वह व्यय एवं हानि की मदें हैं जिन्हें पूरी तरह से अपलिखित कर समाप्त नहीं किया गया है। इसके उदाहरण हैं प्रारम्भिक व्यय, अभिगोपन कमीशन आदि।

### देयताएं (Liabilities)

देयताओं का वर्गीकरण नीचे दिया गया है :

(क) **दीर्घकालीन देयताएं (Long Term Liability) :** यह वह देयताएं हैं जिनका भुगतान चालू लेखांकन वर्ष में देय नहीं होता। सामान्यतः इनके माध्यम से जो कोष जुटाया जाता है उनका उपयोग स्थाई सम्पत्तियों के क्रय के लिए किया जाता है। इस प्रकार की देयताओं के उदाहरण हैं : बंधक पर लिया गया ऋण, वित्तीय संस्थाओं से लिया गया ऋण।

(ख) **चालू देयताएं (Current Liability) :** यह वह देयताएं हैं जिनका भुगतान चालू लेखांकन वर्ष में देय होता है। यह बैंक अधिविकर्ष, लेनदार, देय विपत्र आदि हैं।

(ग) **स्वामी के कोष (Propritor Fund) :** जो राशि स्वामी अथवा स्वामियों को देय होती है उसे स्वामी का कोष कहते हैं। व्यवसाय अस्तित्व की अवधारणा के अनुसार यह व्यवसाय के दायित्व हैं। पूँजी के अतिरिक्त इसमें अवितरित लाभ एवं संचय सम्मिलित है। इसमें से स्वामी द्वारा आहरण की गई राशि को घटा दिया जाता है।

## पाठगत प्रश्न 17.3

***I. निम्न मदों के सामने परिसम्पत्ति के प्रकार लिखें :***

(i) ख्याति (ii) प्राप्य विपत्र (iii) प्रारम्भिक व्यय

(iv) खानें (v) फर्नीचर

***II. निम्न मदों के सामने देयताओं के प्रकार लिखें :***

(i) बंधक ऋण

(ii) लेनदार

(iii) अदत्त व्यय

(iv) पूँजी

टिप्पणी

## 17.4 स्थिति विवरण तैयार करना

स्थिति विवरण के दो पक्ष होते हैं परिसम्पत्तियां एवं देयताएँ। परिसम्पतियों की ओर हम सभी प्रकार की संपत्तियों को लिखते हैं, जैसे कि रोकड़, प्राप्य विपत्र, स्टॉक, भवन आदि।

देयताओं की ओर सभी दायित्व लिखे जाते हैं। यह दीर्घ अवधि एवं चालू दायित्व दोनों होते हैं। जैसे कि देय विपत्र, व्यापारिक लेनदार, बैंक ऋण आदि। इसके पश्चात हम स्वामी की पूँजी को लिखते हैं। इसमें शुद्ध लाभ को जोड़ दिया जाता है। यदि शुद्ध हानि है तो इसे पूँजी में से घटा दिया जाता है। पूँजी में आहरण की राशि को भी घटा दिया जाता हैं

अन्त में दोनों ओर का योग किया जाता है तथा यह योग बराबर होने चाहिए।

### उदाहरण 4

मै. विक्रम ब्रदर्स के नीचे दिये तलपट की सहायता से 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए व्यापार एवं लाभ-हानि खाता एवं उसी तिथि को स्थिति विवरण बनाइए।

| *विवरण* | *नाम शेष (₹)* | *विवरण* | *जमा शेष (₹)* |
|---|---|---|---|
| हस्तस्थ रोकड़ | 500 | पूँजी | 70,000 |
| मोटरकार | 25,000 | बट्टा प्राप्त | 2,000 |
| आहरण | 48,000 | विक्रय | 2,30,000 |
| विधिक व्यय | 1,500 | लेनदार | 46,000 |
| संयन्त्र एवं मशीन | 60,000 | निवेश पर ब्याज | 5,200 |
| निवेश | 40,000 | क्रय वापसी | 3,800 |
| प्रारम्भिक स्टाक | 35,000 | देय विपत्र | 34,000 |
| विक्रय वापसी | 2,500 | | |
| वेतन | 12,000 | | |
| बट्टा दिया | 600 | | |
| आंतरिक भाड़ा | 1,800 | | |
| मजदूरी | 21,000 | | |
| डाक व्यय | 400 | | |
| देनदार | 60,000 | | |
| ब्याज | 1,500 | | |
| बीमा प्रीमियम | 1,200 | | |
| क्रय | 80,000 | | |
| | 3,91,000 | | 3,91,000 |

31.3.2014 को अन्तिम स्टॉक ₹ 28,000 था।

टिप्पणी

**हल :**

### व्यापार खाता
### *31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए*

नाम जमा

| *विवरण* | | *राशि (₹)* | *विवरण* | | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|---|
| प्रारम्भिक स्टाक | | 35,000 | विक्रय | 2,30,000 | |
| क्रय | 80,000 | | *घटा:* विक्रय वापसी | 2,500 | 2,27,500 |
| *घटा :* क्रय वापसी | 3,800 | 76,200 | अन्तिम स्टॉक | | 28,000 |
| मजदूरी | | 21,000 | | | |
| भाड़ा | | 1,800 | | | |
| सकल लाभ लाभ-हानि | | | | | |
| खाते में हस्तान्तरित | | 1,21,500 | | | |
| | | 2,55,500 | | | 2,55,500 |

### लाभ-हानि खाता
### *31, मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए*

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| वेतन | 12,000 | सकल लाभ-व्यापार | |
| बीमा प्रीमियम | 1,200 | खाते से हस्तान्तरित | 1,21,500 |
| बट्टा दिया | 600 | प्राप्त बट्टा | 2,000 |
| डाक व्यय | 400 | निवेश पर ब्याज | 5,200 |
| विधिक व्यय | 1,500 | | |
| शुद्ध लाभ–पूँजी | 1,500 | | |
| खाते में हस्तान्तरित | 1,11,500 | | |
| | 1,28,700 | | 1,28,700 |

### स्थिति विवरण
### *31 मार्च, 2014 को*

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| देय विपत्र | 34,000 | हस्तस्थ रोकड़ | 500 |
| लेनदार | 46,000 | देनदार | 60,000 |

टिप्पणी

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पूँजी | 70,000 | | अन्तिम स्टॉक | 28,000 |
| ***जमा :*** शुद्ध लाभ | 1,11,500 | | निवेश | 40,000 |
| | 1,81,500 | | मोटरकार | 25,000 |
| **घटा :** आहरण | 48,000 | 1,33,500 | संयन्त्र एवं मशीन | 60,000 |
| | | 2,13,500 | | 2,13,500 |

**उदाहरण 5**

जैसमीन एन्टरप्राइजिस की लेखा पुस्तकों से 31 मार्च, 2014 को तैयार तलपट नीचे दिया गया है। दिये गये इस तलपट की सूचना के आधार पर वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2014 के लिए व्यापार खाता एवं लाभ–हानि खाता तैयार कीजिए। इस तिथि को स्थिति विवरण भी बनाइए।

| *विवरण* | *नाम राशि (₹)* | *जमा राशि (₹)* |
|---|---|---|
| स्टॉक 1. 4. 2013 | 18,500 | |
| क्रय एवं विक्रय | 78,500 | 1,54,200 |
| आन्तरिक वापसी एवं बाह्य वापसी | 2,200 | 2,500 |
| देनदार एवं लेनदार | 16,500 | 18,000 |
| प्राप्य विपत्र एवं देयविपत्र | 14,000 | 21,000 |
| कमीशन भुगतान किया | 2,000 | |
| अंकेक्षण फीस | 1,800 | |
| भवन | 65,000 | |
| फर्नीचर | 12,000 | |
| वेतन | 14,000 | |
| टेलीफोन व्यय | 4,200 | |
| बीमा | 2,100 | |
| बट्टा दिया | 1,000 | |
| चुंगी | 1,200 | |
| मजदूरी | 16,000 | |
| भाड़ा आन्तरिक | 2,400 | |
| डूबत ऋण | 600 | |
| अवक्षयण | 4,200 | |
| बैंक ऋण | | 32,000 |
| हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक में रोकड़ | 25,000 | |
| पूँजी | | 1,00,000 |
| आहरण | 16,500 | |

टिप्पणी

| | | |
|---|---|---|
| मशीन | 30,000 | |
| | 3,27,700 | 3,27,700 |

अन्तिम स्टॉक 31.3.2014 को ₹ 19,600 था।

**हल**

**व्यापार खाता**

***31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए***

नाम जमा

| *विवरण* | | *राशि (₹)* | *विवरण* | | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|---|
| स्टॉक 1.4.2005 | | 18,500 | विक्रय | 1,54,200 | |
| क्रय | 78,500 | | *घटा :* वापसी आन्तरिक | 2,200 | 1,52,000 |
| *घटा :* वापसी बाह्य | 2,500 | 76,000 | अन्तिम स्टॉक | | 19,600 |
| मजदूरी | | 16,000 | | | |
| भाड़ा आन्तरिक | | 2,400 | | | |
| चुंगी | | 1,200 | | | |
| सकल लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित | | 57,500 | | | |
| | | 1,71,600 | | | 1,71,600 |

**लाभ हानि खाता**

***31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए***

नाम जमा

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| वेतन | 14,000 | **सकल लाभ-व्यापार** | |
| टेलीफोन व्यय | 4,200 | खाते से हस्तान्तरित | 57,500 |
| बीमा प्रीमियम | 2,100 | | |
| डूबत ऋण | 600 | | |
| अवक्षयण | 4,200 | | |
| अंकेक्षण फीस | 1,800 | | |
| बट्टा दिया | 1,000 | | |
| कमीशन का भुगतान किया | 2,000 | | |
| शुद्ध लाभ पूँजी खाते में हस्तांतरित किया | 27,600 | | |
| | 57,500 | | 57,500 |

टिप्पणी

## स्थिति विवरण
### *31 मार्च, 2014 को*

नाम — जमा

| *देयताएं* | | *राशि (₹)* | *परिसंपत्तियां* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| देय विपत्र | | 21,000 | हस्तस्थ एवं बैंक रोकड़ | 25,000 |
| विविध लेनदार | | 18,000 | प्राप्य विपत्र | 14,000 |
| बैंक ऋण | | 32,000 | विविध देनदार | 16,500 |
| पूँजी | 1,00,000 | | अन्तिम स्टॉक | 19,600 |
| *जमा :* शुद्ध लाभ | 27,600 | | मशीन | 30,000 |
| | 1,27,600 | | भवन | 65,000 |
| *घटा :* आहरण | 16,500 | 1,11,100 | फर्नीचर | 12,000 |
| | | 1,82,100 | | 1,82,100 |

**उदाहरण 6**

31 मार्च 2014 को हरि की पुस्तकों से निम्न तलपट बनाया गया। जिससे व्यापार खाता एवं लाभ–हानि खाता तथा स्थिति विवरण तैयार कीजिए :

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| आरम्भिक स्टाक | 9,600 | संयंत्र की मरम्मत | 160 |
| मजदूरी एवं वेतन | 320 | हस्तस्थ रोकड़ एवं बैंक | 200 |
| क्रय पर कमीशन | 200 | देनदार | 4,000 |
| भाड़ा | 300 | आयकर | 550 |
| क्रय घटा वापसी | 11,850 | आहरण | 650 |
| विक्रय घटा वापसी | 24,900 | पूँजी | 5,000 |
| व्यापारिक व्यय | 20 | देय बिल | 500 |
| प्राप्य बिल | 600 | ऋण | 900 |
| किराया | 200 | क्रय पर कटौती | 400 |
| संयन्त्र | 2,000 | लेनदार | 2,330 |
| अप्राप्य ऋण | 500 | | |

अतिरिक्त सूचना– अन्तिम स्टॉक ₹ 3,500 था।

टिप्पणी

**हल**

## व्यापार एवं लाभ-हानि खाता
### *वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2014 के लिए*

| *विवरण* | *राशि (₹)* | *विवरण* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|
| आरम्भिक स्टाक | 9,600 | विक्रय घटा विक्रय वापसी | 24,900 |
| क्रय घटा क्रय वापसी | 11,850 | अन्तिम स्टाक | 3,500 |
| मजदूरी एवं वेतन | 3,200 | | |
| क्रय पर कमीशन | 200 | | |
| भाड़ा | 300 | | |
| सकल लाभ आ.ले. | 3,250 | | |
| | 28,400 | | 28,400 |
| व्यापारिक व्यय | 20 | सकल लाभ आ.ले. | 3,250 |
| किराया | 200 | क्रय पर कटौती | 400 |
| अप्राप्य ऋण | 500 | | |
| संयन्त्र की मरम्मत | 160 | | |
| शुद्ध लाभ – पूँजी खाते में हस्तान्तरित | 2,770 | | |
| | 3,650 | | 3,650 |

## हरी की स्थिति विवरण
### *31 मार्च 2014 को*

| *देयताएं* | | *राशि (₹)* | *परिसम्पत्तियाँ* | *राशि (₹)* |
|---|---|---|---|---|
| पूँजी : | | | संयन्त्र | 2,000 |
| प्रारम्भिक शेष | 5,000 | | अन्तिम स्टाक | 3,500 |
| *जमा :* शुद्ध लाभ | 2,770 | | देनदार | 4,000 |
| | 7,770 | | बिल प्राप्य | 600 |
| *घटा :* आयकर | 550 | | हस्तस्थ रोकड़ एवं | |
| *घटा :* आहरण | 650 | 6,570 | बैंक में रोकड़ | 200 |
| ऋण | | 900 | | |
| देय बिल | | 500 | | |
| लेनदार | | 2,330 | | |
| | | 10,300 | | 10,300 |

टिप्पणी

## पाठगत प्रश्न 17.4

*उचित शब्द/शब्दों को खाली स्थानों में लिखिए :*

i. जिस राशि से व्यपार खाता का जमा पक्ष उसके नाम पक्ष से अधिक होता है उसे ... ..... के रूप में लिखते हैं।

ii. जिस राशि से लाभ–हानि खाते का नाम पक्ष जमा पक्ष से अधिक होता है उसे ..... ..... के रूप में लिखते हैं।

iii. स्थिति विवरण के दोनों ओर के जोड़ ..... होने चाहिए।

iv. बैंक ऋण स्थिति विवरण के ..... की ओर दिखाया जाता है।

## आपने क्या सीखा

- व्यापार खाता बनाने के लिए हम इसके नाम की ओर प्रारम्भिक स्टॉक, शुद्ध क्रय एवं प्रत्यक्ष व्यय लिखते हैं। इसके जमा की ओर शुद्ध विक्रय एवं अन्तिम स्टॉक लिखते हैं। इसके दोनों ओर के जोड़ों का अन्तर निकाला जाता है जो कि सकल लाभ अथवा सकल हानि हो सकते हैं, जिसे लाभ-हानि खाते में हस्तान्तरित कर दिया जाता है।
- आगम व्यय एवं हानियों की सभी मदों को लाभ-हानि खाते के नाम की ओर लिखा जाता है तथा इसके जमा की ओर आगम प्राप्तियां एवं अधिलाभ की मदें लिखी जाती हैं। फिर दोनों ओर के योग का अन्तर निकाला जाता है जो कि शुद्ध लाभ अथवा शुद्ध हानि हो सकता है।
- स्थिति विवरण वह विवरण है जिसमें लेखा वर्ष की अंतिम तिथि को व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को दिखाया जाता है।
- स्थिति विवरण व्यवसाय के स्वामित्व को क्या देय है तथा इसने कितना दूसरों का देना है इसका व्यवस्थित प्रस्तुतिकरण है।
- स्थिति विवरण के दो पक्ष होते हैं: परिसम्पत्तियां एवं देयताएं
- परिसम्पत्तियों को (1) तरलता क्रम अथवा (2) स्थिरता क्रम में लिख जा सकता है।
- परिसम्पत्तियों को, स्थाई संपत्तियां, चालू संपत्तियां, मूर्त सम्पत्तियां अमूर्त सम्पत्तियां, तरल संपत्तियां, क्षयी संपत्तियां एवं अवास्तविक संपत्तियां के वर्गों में बांटा जा सकता है।
- देयताएं दीर्ध अवधि, चालू देयताएं एवं स्वामी कोष हो सकती हैं।

## पाठान्त प्रश्न

1. व्यापार खाता बनाते समय उठाए जाने वाले कदमों के विषय में बताइए।
2. स्थिति विवरण शब्द को समझाइए। स्थिति विवरण को बनाने के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।
3. परिसम्पत्तियों को तरलता क्रम एवं स्थिरता क्रम में दिखाया जा सकता है समझाइए।
4. निम्न प्रकार की परिसंपत्तियों का दो–दो उदाहरण देकर वर्णन कीजिए।

   (क) अमूर्त सम्पत्तियां (ख) अवास्तविक संपत्तियां

   (ग) स्थाई संपत्तियां (घ) चालू संपत्तियां
5. स्वामी के कोष क्या होते हैं?
6. पी. मुखर्जी की लेखा पुस्तकों से ली गई निम्न सूचना के आधार पर 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए व्यापार खाता बनाइए।

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| प्रारम्भिक स्टॉक | 6,500 | रोकड़ | 4,500 |
| क्रय | 45,000 | कार्यालय व्यय | 3,200 |
| विक्रय | 72,000 | कार्यालय किराया | 6,800 |
| वापसी आन्तरिक | 1,500 | | |
| वापसी बाह्य | 500 | | |
| क्रय पर भाड़ा | 1,200 | | |
| मजदूरी | 4,800 | | |
| ईंधन एवं बिजली | 3,200 | | |

31 मार्च 2014 को अन्तिम स्टॉक ₹ 8,600 था।

7. रश्मी की निम्न सूचना से 31, मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ हानि खाता तैयार कीजिए।

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| सकल लाभ | 64,800 | प्राप्त बट्टा | 600 |
| डूबत ऋण | 1,500 | कमीशन प्राप्त हुआ | 2,100 |
| अवक्षयण | 2,500 | भाड़ा बाह्य | 1,600 |
| कार्यालय किराया | 4,800 | पूर्वदत्त बीमा | 600 |
| बीमा | 3,200 | वेतन | 6,400 |
| टेलीफोन व्यय | 1,700 | स्टेशनरी | 700 |
| ऋण पर ब्याज | 2,400 | फर्नीचर | 6,000 |
| भवन | 50,000 | | |

31 मार्च 2014 को अन्तिम स्टॉक ₹ 20,000 था।

टिप्पणी

टिप्पणी

8. मै. कृष्णामूर्ति गारमैंट्स के 31, मार्च 2014 को निम्न तलपट से 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए व्यापार खाता एवं लाभ हानि खाता बनाइए तथा इस तिथि को स्थिति विवरण बनाइए।

**मै. कृष्णामूर्ति गारमेंट्स**

**तलपट**

***31 मार्च, 2014 को***

| *विवरण* | *नाम शेष* ₹ | *जमा शेष* ₹ |
|---|---|---|
| हस्तस्थ रोकड़ | 2,000 | |
| बैंक अधिविकर्ष | | 35,000 |
| स्टॉक 1.4.2013 | 32,000 | |
| क्रय | | 80,000 |
| भाड़ा आन्तरिक | 4,000 | |
| सीमा शुल्क | 5,500 | |
| बिजली | 6,500 | |
| मशीन | 40,000 | |
| फर्नीचर | 20,000 | |
| विक्रय | | 1,65,000 |
| देय विपत्र | | 18,000 |
| देनदार | 28,000 | |
| लेनदार | | 22,000 |
| वेतन | 6,500 | |
| विक्रयकर्त्ता का कमीशन | 7,800 | |
| गोदाम का किराया | 7,200 | |
| बीमा | 2,400 | |
| भूमि व भवन | 75,000 | |
| विक्रय पर भाड़ा | 3,600 | |
| विज्ञापन | 4,500 | |
| पूँजी | | 1,00,000 |
| आहरण | 15,000 | |
| | 3,40,000 | 3,40,000 |

अन्तिक स्टॉक 31 मार्च 2014 को ₹ 38,000 था।

9. राकेश फर्नीचर बनाने का व्यवसाय करता है। 31 मार्च 2014 के निम्न शेषों की सहायता से व्यापार खाता एवं लाभ–हानि खाता तथा स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| पूँजी | 6,000 | पॉलिसिंग | 500 |
| आहरण | 1,000 | छूट एवं कर | 40 |
| विक्रय | 10,000 | प्राप्य बिल | 300 |
| कच्चा माल (क्रय) | 2,000 | बीमा | 150 |
| बंधक ऋण (जमा) | 1,000 | भाड़ा | 10 |
| मशीनरी | 1,500 | सामान्य व्यय | 200 |
| भूमि एवं भवन | 2,000 | स्टाक (1.4.2013) | 2,000 |
| लेनदार | 500 | बैंक में रोकड़ | 1,250 |
| मजदूरी | 5,000 | हस्तस्थ रोकड़ | 50 |
| देनदार | 1,500 | | |

31 मार्च 2014 को रोकड़ ₹ 1,500

10. 31 मार्च 2014 को हरीश जलाल की पुस्तकों से निम्न शेष लिए गए।

| | ₹ | | ₹ |
|---|---|---|---|
| पूँजी | 24,500 | ऋण | 7,880 |
| आहरण | 2,000 | विक्रय | 65,360 |
| सामान्य व्यय | 2,500 | क्रय | 47,000 |
| भवन | 11,000 | मोटर कार | 2,000 |
| मशीनरी | 9,340 | संचय कोष (जमा) | 900 |
| स्टाक | 16,200 | कमीशन (जमा) | 1,320 |
| पावर | 2,240 | कार व्यय | 1,800 |
| कर एवं बीमा | 1,315 | देय बिल | 3,850 |
| मजदूरी | 7,200 | रोकड़ | 80 |
| देनदार | 6,280 | बैंक अधिविकर्ष | 3,300 |
| लेनदार | 2,500 | चैरिटी | 105 |
| अप्राप्य ऋण | 550 | | |

स्टॉक का 31 मार्च 2014 को मूल्य ₹ 2,350 था।

31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए व्यापार एवं लाभ–हानि खाता बनाइए तथा इसी स्थिति को स्थिति विवरण भी बनाइए।

## पाठगत प्रश्नों के उत्तर

**17.1**

| | | |
|---|---|---|
| (i) | व्यापार खाता | जमा |
| (ii) | लाभ हानि खाता | नाम |
| (iii) | लाभ हानि खाता | जमा |
| (iv) | व्यापार खाता | नाम |
| (v) | व्यापार खाता | नाम |
| (vi) | व्यापार खाता | जमा |
| (vii) | लाभ हानि खाता | नाम |
| (viii) | लाभ हानि खाता | जमा |

**17.2**

I.

| तरलता क्रम | स्थिरता क्रम |
|---|---|
| हस्तस्थ रोकड़ | ख्याति |
| प्राप्य विपत्र | फर्नीचर |
| विविध देनदार | भवन |
| अन्तिम स्टॉक | निवेश |
| निवेश | अन्तिम स्टॉक |
| भवन | विविध देनदार |
| फर्नीचर | प्राप्य विपत्र |
| ख्याति | हस्तस्थ रोकड़ |

II.

| तरलता क्रम | स्थिरता क्रम |
|---|---|
| अदत्त व्यय | पूँजी |
| देय विपत्र | बंधक ऋण |
| लेनदार | लेनदार |
| बंधक ऋण | देय विपत्र |
| पूँजी | अदत्त व्यय |

**17.3**

I. (i) अमूर्त परिसंपतियां (ii) चालू परिसंपतियां
(iii) अवास्तविक परिसंपतियां (iv) क्षयी परिसंपतियां
(v) स्थाई परिसंपतियां

II. (i) दीर्घकालीन देयाताएं (ii) चालू देयताएं
(iii) चालू देयताएं (iv) स्वामित्व कोष

**17.4** (i) सकल लाभ (ii) शुद्ध हानि (iii) बराबर (iii) देयताएं

टिप्पणी

## पाठांत प्रश्नों के उत्तर

6. सकल लाभ ₹ 10,300
7. शुद्ध लाभ ₹ 42,700
8. सकल लाभ ₹ 75,000; शुद्ध लाभ ₹ 44,000; स्थिति विवरण का योग ₹ 2,03,000
9. सकल लाभ ₹ 1,790; शुद्ध लाभ ₹ 1,600; स्थिति विवरण का योग ₹ 8,100
10. सकल लाभ ₹ 10,220; शुद्ध लाभ ₹ 11,270; स्थिति विवरण का योग ₹ 52,200

## क्रियाकलाप

1. अपने क्षेत्र की, अपने मित्र के अविभावकों की एवं अपने संबन्धियों की व्यावसायिक इकाईयों पर जाइए तथा उन संपत्तियों के सम्बन्ध में सूचना एकत्रित कीजिए जो व्यवसाय की प्रकृति के कारण सामान्य नहीं हैं। इन्हें संबंधित वर्गों में विभाजित कीजिए

| *इकाई का नाम* | *व्यवसाय की प्रकृति* | *संपत्ति का नाम* | *संपत्ति की श्रेणी* |
|---|---|---|---|
| 1. | | | |
| 2. | | | |
| 3. | | | |
| 4. | | | |
| 5. | | | |

2. आपके पिता, मित्र के पिता अथवा सगे सम्बन्धी द्वारा चलाए जा रहे व्यवसाय के स्थिति विवरण का विश्लेषण कीजिए तथा संपत्ति एवं देयताओं की क्रमबद्धता (Marshalling) की जांच कीजिए। यदि यह क्रम में नहीं हैं तो इन्हें तरलता अथवा स्थाई क्रम में लिखें। यदि यह तरलता क्रम में है तो इन्हें स्थाई क्रम में लिखे अथवा इसके विपरीत क्रम में लिखें।